(b) While the offer made in the representation of the Federation of BHEL Executive Association does not have the validity of a quotation submitted against a tender, it is, however, being examined in consultation with the Central Electricity Authority and other concerned authorities.

उत्तर प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की स्थिति

2014. **चौधरी हरमोहन सिंह :**
श्री ईश दत्त यादव :

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की स्थिति, अतिरिक्त कल-पुर्जों के उपलब्ध न होने के कारण धीरे-धीरे बिगड़ती जा रही है;

(ख) यदि हां, तो उत्तर प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की स्थिति में सुधार लाने के लिये सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये जा रहे हैं ; और

(ग) उत्तर प्रदेश के उन जिलों के नाम क्या हैं जो अतिरिक्त कल-पूर्जों की अनुपलब्धता से प्रभावित हुये हैं ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.वी. रंगैया नायडू): (क) से (ग) उत्तर प्रदेश में विद्युत आपूर्ति की स्थिति में कोई कमी नहीं आई है, जबकि उत्तर प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड की कुछ, विद्युत उत्पादक यूनिटें दीर्घ अवधि तक के लिये जबरन बन्दी के अधीन रही हैं। अतिरिक्त कल-पुर्जों की अनुपलब्धता दीर्घ अवधि वाली जबरन बन्दी के कारणों में से एक है।

उत्तर प्रदेश में विद्युत की उपलब्धता सुधारने हेतु किये जा रहे विभिन्न उपायों में ये शामिल हैं, विद्यमान क्षमता से विद्युत उत्पादन को इष्टतम बनाना, नवीकरण एवं आधुनिकीकरण कार्यक्रम का क्रियान्वयन, पारेषण एवं वितरण हानियों में कमी करना, भार प्रबंध कारगर बनाना, ऊर्जा संरक्षण के उपाय करना; पड़ौसी राज्यों/प्रणालियों से सहायता प्राप्त करना और विद्युत क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित देना आदि।

बिजली की प्रति व्यक्ति खपत

2015. **श्री कनक सिंह मोहन सिंह मंगरोला :** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 30 जून, 1993 की स्थिति के अनुसार प्रत्येक राज्य में तथा विशेषतया गुजरात में प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति बिजली की खपत कितनी थी ;

(ख) गुजरात में खपत के हिसाब से कम आपूर्ति के क्या कारण हैं ; और

(ग) केन्द्रीय सरकार ने इस संबंध में गुजरात को राष्ट्रीय स्तर तक लाने के लिये क्या कदम उठाये हैं/उठाने का विचार रखती है ?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०वी० रंगैया नायडू) : (क) बिजली की प्रतिव्यक्ति खपत से संबंधित सूचना, वार्षिक रूप से एकत्र की जाती है। वर्ष, 1992-93 के दौरान बिजली की प्रति व्यक्ति खपत विवरण में दी गई है। (नीचे देखिये)

(ख) गुजरात में 1993-94 और अप्रैल, 1994 से जून, 1994 तक विद्युत आपूर्ति की वास्तविक स्थिति का ब्यौरा निम्नलिखित है:--

(आंकड़े मि०यू० निवल में)

	1993-94	अप्रैल,94-जून,94
आवश्यकता	29860	8110
वास्तविक	28502	7801
कमी	1358	309
% (प्रतिशत)	4.5	3.8
अखिल भारतीय कमी का %	7.3	8.4

गुजरात में विद्युत की कमी का मुख्य कारण विद्युत की मांग में होने वाली वृद्धि का विद्युत की उपलब्धता में होने वाली वृद्धि से अधिक हो जाना है।

(ग) जैसा कि भाग (क) और (ख) के उत्तरों से देखा जा सकता है । गुजरात को विद्युत उपलब्धता राष्ट्रीय स्तर से बेहतर है ।

विवरण

विद्युत की राज्यवार प्रति व्यक्ति आपूर्ति यूटिलिटीज और गैर यूटिलिटीज (कि.वा.घं.में)

राज्य/क्षेत्र का नाम	1992–93
उत्तर क्षेत्र	
हरियाणा	507.24
हिमाचल प्रदेश	207.94
जम्मू और कश्मीर	188.24
पंजाब	683.58
राजस्थान	246.45
उत्तर प्रदेश	178.62
चंडीगढ़	714.68
दिल्ली	823.26
उप जोड़	282.45
पश्चिमी क्षेत्र	
गुजरात	538.43
मध्य प्रदेश	280.59
महाराष्ट्र	438.58
गोआ	540.74
दमन और द्वीप	1014.70
दा.न. हवेली	1174.50
उप जोड़	406.21
दक्षिणी क्षेत्र	
आंध्र प्रदेश	312.49
कर्नाटक	302.98
केरल	200.10
तमिलनाडु	368.85
पांडिचेरी	855.91
लक्ष्यद्वीप	183.20
उप जोड़	311.80
पूर्वी क्षेत्र	
बिहार	117.03
उड़ीसा	296.95
प० बंगाल	157.70
अ. और नि. द्वीपसमूह	162.35
सिक्किम	113.93
उप जोड़	162.39
उत्तर-पूर्वी क्षेत्र	
असम	96.77
मणिपुर	103.88
मेघालय	129.10
नागालैंड	72.90
त्रिपुरा	58.63
अरुणाचल प्रदेश	54.13
मिजोरम	90.86
उप जोड़	93.44
जोड़ (आल इंडिया)	283.10

नोट : –गोआ सहित ।